

उत्तराखण्ड का जादुंग गाँव, पुनर्वास के लिये तैयार

चर्चा में क्यों?

"अपनी तरह की पहली (First-of-Its-Kind)" पहल में, उत्तराखण्ड सरकार ने उत्तरकाशी ज़िले के जादुंग गाँव का एक प्रमुख "पर्यटन स्थल" के रूप में पुनर्निर्माण और पुनर्वास करने का निर्णय लिया है, जसि वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद से नवासियों द्वारा खली कर दिया गया था।

- यह गाँव वर्ष 1962 से भारत-तबिबत सीमा पुलिस (ITBP) के नियंत्रण में है।
- **मुख्य बटु:**
 - पहल के हसिसे के रूप में, पर्यटन वभिग का लक्ष्य गाँव का पुनर्निर्माण करने के लिये मूल घर मालकों के वंशजों को वापस बुलाना है, जो अब आस-पास के गाँवों में रहते हैं।
 - अक्टूबर-नवंबर 1962 के युद्ध ने इस क्षेत्र को वीरान कर दिया था, जसिसे [भारत और चीन के बीच संबंधों](#) पर असर पड़ा, कुछ सीमा वविाद अभी भी अनसुलझे थे।
 - यह एक ठंडा रेगसितानी क्षेत्र है (लददाख की तरह) यहाँ उचित सड़क संपर्क है, जो इसे एक संभावित पर्यटन स्थल बनाता है।
 - पहले चरण में, पर्यटन वभिग छह "जीरण" घरों का नवीनीकरण करेगा और उन्हें स्थानीय रूप से उपलब्ध सामग्री का उपयोग करेगा तथा ग्रामीणों द्वारा संचालित स्थानीय वास्तुकला में होमस्टे के रूप में बढ़ावा देगा।
 - यह पहल जादुंग गाँव के लिये "स्वरोजगार के अवसर" उत्पन्न करेगी, साथ ही सभी को एक अद्वितीय पर्यटन स्थल भी प्रदान करेगी।
 - ग्रामीणों को कम से कम 10 वर्षों तक होमस्टे का संचालन करना होगा, जसिके संचालकों का चयन उत्तरकाशी ज़िला प्रशासन द्वारा गाँव के मूल नवासियों के आवेदन के माध्यम से किया जाएगा।
 - पर्यटन वभिग होमस्टे संचालकों को [कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम](#) प्रदान करने की भी योजना बना रहा है, जसि वभिग द्वारा समय-समय पर आयोजित किया जाएगा। वभिग इन होमस्टे के वपिणन और प्रचार-प्रसार हेतु आवश्यक सहायता भी प्रदान करेगा।
 - अधिकारियों के मुताबकि, यह योजना सरकारी हस्तक्षेप से [रविरस माइग्रेशन](#) की दशिा में मील का पत्थर बनेगी और पर्यटन के नए अवसर भी उत्पन्न करेगी।

भारत-तबिबत सीमा पुलिस (ITBP)

- यह एक समर्पित बल है जो तबिबत (चीन) के साथ भारत की सीमाओं की सुरक्षा के लिये ज़िम्मेदार है।
- ITBP की स्थापना 24 अक्टूबर, 1962 को भारत-चीन युद्ध के दौरान की गई थी और यह एक सीमा रक्षक पुलिस बल है जसिके पास ऊँचाई वाले अभियानों की विशेषज्ञता है।
- ITBP को प्रारंभ में 'केंद्रीय रज़िर्व पुलिस बल' (CRPF) अधिनियम, 1949 के तहत स्थापित किया गया था। हालाँकि वर्ष 1992 में संसद ने ITBP अधिनियम लागू किया और वर्ष 1994 में इसके संबंध में नियम बनाए गए।
- ITBP को नक्सल वरिधी अभियानों सहित वभिन्न आंतरिक सुरक्षा कर्तव्यों के लिये भी तैनात किया गया है। यह बल उच्च ऊँचाई वाले बचाव और पर्वतारोहण अभियानों में अपनी विशेषज्ञता के लिये जाना जाता है।

नोट:

- भारत और चीन के बीच सीमा पूरी तरह से स्पष्ट रूप से सीमांकित नहीं है तथा कुछ हसिसों पर कोई पारस्परिक रूप से सहमत वास्तविक नियंत्रण रेखा (LAC) नहीं है।
- वर्ष 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद LAC अस्तित्व में आई।
- भारत-चीन सीमा को तीन सेक्टरों में बाँटा गया है:
 - पश्चिमी क्षेत्र: लददाख
 - मध्य क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश और उत्तराखण्ड
 - पूर्वी क्षेत्र: अरुणाचल प्रदेश और सकिक्मि

THE INDIA-CHINA BORDER

India shares **3,488 km** of border with China that runs along

Jammu & Kashmir
1,597 km

Himachal Pradesh
200 km

Uttarakhand
345 km

Sikkim
220 km

and
Arunachal Pradesh
1,126 km

ITBP has established **173** border outposts along the Line of Actual Control (LoAC): **35** in the western sector (**Jammu & Kashmir**), **71** in the middle sector (**Himachal Pradesh** and **Uttarakhand**), and **67** in the eastern sector (**Sikkim** and **Arunachal Pradesh**).

2013
Depsang

2020
Galwan

2014
Chumar

2017
Doklam

2022
Tawang

WHEN INDIA AND CHINA CLASHED

1962

India-China full-scale war

1967

Brief border clash in Sikkim

1975

Ambush at Tulung La in Arunachal Pradesh

1987

Sumdorong Chu standoff near Tawang in Arunachal Pradesh

2015

Faceoff in Burtse region of northern Ladakh

2017

Doklam military standoff

2022

Skirmishes including Galwan valley clash

INDIA, CHINA BORDER PERSONNEL MEETING POINTS

INDIA, CHINA DISPUTED LOCATIONS (WESTERN SECTOR)

INDIA, CHINA DISPUTED LOCATIONS (EASTERN SECTOR)



